हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 13 अक्टूबर, 2025

12 विद्यार्थियों को गुमराह करने का काम कर रहा...

11 भगवान राम राज्याभिषेक का दिव्य प्रसंग सुनाकर किया..

खबर संक्षेप

एडीजीपी आत्महत्या मामले में जांच की मांग

भिवानी। हरियाणा में एडीजीपी वाई पूरण कुमार की आत्महत्या का मामला गर्माया हुआ है। इस संवेदनशील मामले में घणघस खाप ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। घणघस खाप के राष्ट्रीय प्रवक्त नफे सिंह ने कहा कि मामले में पुलिस अधीक्षक बिजाराणिया को मामले में फंसाया न जाए और साथ ही ये भी सुनिश्चित किया जाए कि दोषी कोई भी हो बख्शा न जाए। घणघस खाप के अध्यक्ष प्रेम कुमार, प्रवक्ता नफे सिंह व प्रदेशाध्यक्ष काला शेखपुरा ने मामले में जांच को राजनीतिक दबाव या आपसी रंजिश से दूर रखने की मांग की हैं।

चार विद्यार्थी एडवेंचर कैंप के लिए गोवा हुए रवाना

लोहारू। मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को देश के विविध भौगोलिक, तटीय, पर्वतीय एवं प्राकृतिक स्थल संबंधित प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए जिले भर से विद्यार्थियों का एक दल गोवा के लिए रवाना हुआ है। इस शैक्षणिक भ्रमण के लिए लोहारू के पीएम श्री राजकीय कन्या विद्यालय और ढिगावा जाटान के पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। रविवार को विद्यार्थियों को यह दल रवाना हुआ।

शैक्षणिक भ्रमण से लौटी विद्यार्थियों की टीम

बहल। बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के ऋषिकेश और हरिद्वार के लिए शैक्षणिक भ्रमण के लिए गई शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की टीम रविवार को विद्यालय में पहुंची। टीम सदस्यों ने शिक्षण संस्थान निदेशक डॉ. एसके सिन्हा से भ्रमण के दौरान मिली जानकारी व अनुभवों को सांझा किया। निदेशक ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के भावनात्मक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए लाभप्रद होते हैं। विद्यार्थियों ने बताया कि उनकी इस यात्रा में प्रकृति के रोमांच और आध्यात्मिक अन्वेषण की शांति का मिश्रण था।

किसान महापड़ाव के 89 दिन पूरे, जताया रोष

लोहारू। कपास बीमा क्लेम भुगतान को लेकर स्थानीय लघु सचिवालय परिसर में चल रहे किसानों के महापड़ाव को रविवार को 89 दिन पूरे हो गए। रविवार को भी किसान सरकार के खिलाफ गरजे और सरकार की किसान विरोधी नीतियों को खिलाफ रोष प्रकट किया। रविवार को धरने की अध्यक्षता महावीर पूनिया, आजाद सिंह भूंगला, राम सिंह शेखावत, महावीर सिंघानी और जयपाल मोरका ने की। मंच संचालन मास्टर उमराव सिंह, नरेन्द्र फरटिया और दयानंद दमकौरा ने किया।

न्याय न मिलने तक कांग्रेस खड़ी रहेगी पीड़ित परिवार के साथ : फरटिया

एडीजीपी की संदिग्ध मौत मामले को लेकर कांग्रेस ने निकाला रोष मार्च

भिवानी। एडीजीपी की संदिग्ध मौत मामले में पत्रकारों से बातचीत करते विधायक व शहर में प्रदर्शन करते कांग्रेसी।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर बड़े स्तर पर दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रविवार को एडीजीपी वाई पूर्ण कुमार की संदिग्ध मौत मामले को लेकर कांग्रेस भी सड़कों पर आई। कांग्रेस विधायक राजबीर सिंह फरटिया की अगुवाई में प्रदर्शनकारियों ने शहर में जुलूस निकाला। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय मिल जाता। तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। अगर उनको अनिश्चतकालीन आंदोलन चलाना पड़े तो वे इससे पीछे नहीं हटेंगे।

दोपहर कांग्रेस विधायक राजबीर सिंह फरटिया ने महम गेट से जुलूस आरंभ किया। चिड़ियाघर मार्ग होते हुए सचिवालय पहुचें और सरकार को ज्ञापन भेजा। इस दौरान कांग्रेसियों ने जोरदार नारेबाजी की। दूसरी तरफ किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रही। कांग्रेसियों का प्रदर्शन खतम होने के बाद ही पुलिस प्रशासन वापस लौटा। इस दौरान समर्थकों को संबोधित करते हुए विधायक राजबीर सिंह फरटिया ने कहा कि हैरानी की बात यह है कि एक एडीजीपी स्तर के अधिकारी को सुसाइड जैसा कदम उठाना पड़ा। इससे यह साबित हो रहा है कि इतने बड़े स्तर के अधिकारी सुरक्षित नहीं है तो वे किस तरह से जनता की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएंगे। एडीजीपी ने यह कदम उठाने से पहले अपने आला अधिकारियों के संज्ञान में भी मामला लाए होंगे। यहां तक कि चीफ सेक्रेट्री से भी शिकायत की होगी,लेकिन लगता है कि किसी ने भी कोई मदद नहीं की। जिस वजह से उक्त अधिकारी ने इतना बड़ा कदम उठाया या अन्य कोई कारण रहा। उन्होंने कहा कि दिवंगत अधिकारी ने सुसाइड नोट में जिन अधिकारियों को आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर करने का जिम्मेदार ठहराया है। उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी से कार्रवाई की जानी चाहिए। उन अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाए।

न्याय नहीं मिला तो उतरेंगे सड़कों पर

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आला नेता भी पीड़ित परिवार के साथ खड़े है। राहुल गांधी, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुडडा, नवनियुक्त अध्यक्ष राव नरेंद्र व अन्य पार्टी के बड़े पदाधिकारी जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता। तब तक वे उनके साथ खड़े है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में सरकार ने कोई कोताही या ढिलाई बरती तो वे सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

आज करेंगे शहर में रोष प्रदर्शन

चरखी दादरी। बहुजन समाज पार्टी द्वारा आई पी एस पूरन सिंह को इंसाफ दिलवाने की मांग को लेकर 13 अक्तूबर को नगर में रोष प्रदर्शन के उपरांत जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस विषय में जानकारी देते हुए बसपा जिला प्रभारी रामनिवास वर्मा ने बताया कि यह एक ऐस प्रकरण है जिसके चलते आम आदमी तक में यह भय व्याप्त हो चला है कि जब एक आईपीएस अधिकारी के साथ ऐसा हो सकता है तो आम नागरिक की बिसात ही क्या है। रामनिवास वर्मा ने बताया कि इस पूरे प्रकरण को लेकर बसपा इंसाफ की आवाज बुलंद करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए 13 अक्टूबर को पूरे जिले से बसपा के साथी व क्षेत्र के मौजिज लोग रोज गार्डन में प्रात 10 बजे एकत्रित होंगे। यहा रामनिवास वर्मा की अध्यक्षता में आम सभा होगी। इसके उपरांत पूरे प्रकरण पर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए विरोध जताया जाएगा। इसके बाद जिला उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंप कर इसे राष्ट्रपति को प्रेषित करवाते हुए इंसाफ की मांग पूरन कुमार व उनके परिजनो के लिए बुलंद की जाएगी।

भिवानी। बैठक के दौरान एकत्रित ग्राम स्वराज किसान मोर्चा व भूतपूर्व सैनिक सेवा समिति के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

भेदभाव और अन्याय का शिकार हुए एडीजीपी

आईपीएस आत्महत्या की निष्पक्ष जांच की मांग

- मामला पूरे प्रदेश की न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

ग्राम स्वराज किसान मोर्चा व भूतपूर्व सैनिक सेवा समिति की संयुक्त बैठक रविवार को कस्बा तोशाम के तिकानो पार्क में हुई। बैठक में दोनों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एडीजीपी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले पर गहरी चिंता व्यक्त कर निष्पक्ष व पारदर्शी जांच की मांग उठाई। प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र तालु ने कहा कि मामला पूरे प्रदेश की न्याय व्यवस्था और प्रशासनिक निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि जांच में किसी भी प्रकार का राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव नहीं होना चाहिए। प्रदेश महासचिव रघुबीर भेरा ने कहा कि जांच निष्पक्ष नहीं हुई तो समाज का विश्वास प्रशासन से उठ जाएगा। उन्होंने कहा कि एडीजीपी जैसे वरिष्ठ अधिकारी की आत्महत्या कोई सामान्य घटना नहीं है, बल्कि ये तंत्र के भीतर मौजूद दबाव, भेदभाव और अन्याय की गंभीर निशानी है, इसकी सच्चाई सामने लाना जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई अधिकारी या कर्मचारी ऐसी त्रासदी का शिकार न बने। सभी ने सरकार से मांग की कि मामले की जांच उच्च न्यायिक आयोग या किसी स्वतंत्र एजेंसी से करवाई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और दोषियों को सजा दी जा सके।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर महेंद्र सिंह गोदारा, राजपाल चाहर, राजसिंह, धनाना, युद्धवीर सिंह खरेटा, ईश्वर बागनवाला, दयानंद फौजी, राजवीर दुहन, पप्पू नंबरदार, राकेश खरकड़ी, अनिल बागनवाला, प्रधान सुबेदार चांदवीर, रामवीर फौजी, दयानंद फौजी, कैप्टन अशन सांगवान, एडवोकेट जयपाल जागलान आदि मौजूद रहे।

किसानों का शोषण कर रही केंद्र व प्रदेश सरकार

- किसानों के बकाया मुआवजे, डीएपी किल्लत को दूर करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

डीएपी व बाजरे की खरीद को लेकर किसानों ने दिया धरना

बाढ़ड़ा। बिजली निगम कार्यालय परिसर में मुआवजने की मांग को लेकर धरना देते किसान। *फोटो: हरिभूमि*

किसानों के बकाया मुआवजे, डीएपी किल्लत को दूर करने व किसानों के बाजरे की तत्काल प्रभाव से खरीद करने की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का उपमंडल मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन 87वें दिन भी जारी रहा। धरने को अनेक किसान, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पहुंचकर समर्थन का ऐलान किया। जुई रोड स्थिति बिजली कार्यालय परिसर में ओमप्रकाश सांगवान व करणसिंह भांडवा की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए किसान सभा प्रधान नसीब कारीमोद ने कहा कि देश व प्रदेश में आज गरीब किसान, श्रमिक व वंचित पिछड़े वर्ग के हितों की रक्षा करने में सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि किसान कौम देश व दुनिया का पेट भरने वाली कौम है, देश में कितनी प्राकृतिक आपदा आई हुई फिर भी डटकर मुकाबला कर रहे हैं, इसीलिए सरकार को हठधर्मिता का त्याग कर किसानों की सुध लेनी चाहिए। ज्यादा बरसात होने के कपास, बाजरा, गवार, मुंग की फसल बर्बाद हो गई है, मौजूदा समय में बरसात की अधिकता को प्राकृतिक आपदा घोषित कर मकान या जान गंवाने वाले पीड़ित परिवार को दस लाख रुपये, फसल बर्बाद वाले किसानों को प्रति एकड़ साठ हजार की मदद करनी चाहिए, ताकि इस बड़ी आपदा से उभरने में सहयोग मिल सके।

यह है आरोप

क्षतिपूर्ति पोर्टल के साथ-साथ एसडीएम तहसीलदार को स्पेशल गिरदावरी के निर्देश दिए जाऐ खराबे का आंकलन किया जाए। श्योराण खाप पच्चीस अध्यक्ष बिजेन्द्र बेरला व मास्टर रघुबीर श्योराण ने कहा कि मंत्रालय ने कपास पर लगने वाले 11 प्रतिशत आयात शुल्क को तत्काल प्रभाव से खत्म करने का निर्णय किया है, जो कृषि क्षेत्र के लिए बड़ा झटका है। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार का फैसला देशभर के कपास पैदा करने वाले किसानों को उजाड़ने वाला है। आयात शुल्क समाप्त होने से कपास की घरेलू कीमत पर सीधा असर पड़ेगा। बाहर से कपास सस्ती कीमतों पर बाजार में आएगी, जिससे हमारे कपास की कीमत निश्चित रूप से गिरेंगी और किसानों को और अधिक संकट और कर्ज का सामना करना पड़ेगा।

संकल्प लिया — प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वपटल पर चमका भारत

स्वदेशी संकल्प ही आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला की मजबूत नींव

भारत लिख रहा आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा : जेपी

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व में आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा लिख रहा है। आत्मनिर्भर भारत का आधार स्वदेशी संकल्प है। यह केवल एक अभियान नहीं बल्कि देश की आत्मा से जुड़ा हुआ जनआंदोलन है। स्वदेशी अपनाने से ही भारत का आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक उत्थान संभव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें और स्वदेशी को अपनाएं।

बहल। द्वीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

चैनलों को मूल जगह भेजने का दर्द

लोहारू में सिंचाई के लिए स्थापित 42 चैनलों को वापस उनके मूल जगह पर भेजे जाने का दर्द प्रदेश के पूर्व मंत्री जेपी दलाल की जुबां पर रविवार को छलका। जेपी ने कहा, उन्होंने लोहारू क्षेत्र की सूखी धरती की प्यास बुझाने के लिए लोहारू में 42 चैनलों के जरिए पानी पहुंचाने का प्रयास किया था, जो सफल रहा था। इससे किसानों को पिछले पांच साल तक लगातार फायदा हुआ और किसान संपन्नता की ओर बढा।

योजनाएं बताईं

भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाए और संगठन को मजबूत करने में अपना योगदान दे। उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उपस्थित कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें और आत्मनिर्भर भारत अभियान और स्वदेशी संकल्प में अपना सकारात्मक योगदान दे। इस अवसर पर भाजपा के लोहारू, सिवानी, ढिगावा व बहल मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परंपरा और विश्वास का लोकपर्व है अहोई अष्टमी

हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत, वीरता और अपनेपन के साथ-साथ अतीत से ही सांस्कृतिक सुगंध भी बसी है। इसीलिए हरियाणा के लोग न केवल कृषि और खेलों में अग्रणी है बल्कि अपने धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाने के लिए भी जाने जाते हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। लोग पारंपरिक लोक गीतों, नृत्यों और सादगी भरे रीति-रिवाज़ों से त्योहारों को जीवंत बना देते हैं।

यहाँ त्योहार केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि गाँवों में सामूहिक एकता, रिश्तों की मजबूती और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक हैं। इसके अलावा यह जानना रोचक होगा कि हरियाणा में हर त्योहार को मनाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कारण रहते हैं। फिर चाहे होली, दीवाली, गोवर्धन पूजा, बासोड़ा, शीतला अष्टमी, धुलेंडी, तीज, रक्षाबंधन, भाईदूज, करवा चौथ, नवरात्र, बसंत पंचमी हो या अहोई अष्टमी। गौरतलब है कि हरियाणवी संस्कृति में नारी जाति का विशेष सम्मान है। माँ, बहन और बेटी के रूप में नारी को शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। तीज, रक्षाबंधन, करवा चौथ जैसे अनेक पर्व स्त्रियों की श्रद्धा तथा विश्वास का प्रतीक हैं और उन्हीं में से एक है 'अहोई अष्टमी' अहोई अष्टमी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला त्योहार है जो दिवाली से लगभग 8 दिन पहले। सनातन पंचांग के अनुसार, यह तिथि करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद और दिवाली से सात-आठ दिन पहले आती है।

अहोई अष्टमी मुख्यतः उत्तर भारत में बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और बिहार में अत्यंत लोकप्रिय है, जहाँ माताएँ संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है। मध्य प्रदेश और गुजरात में भी उत्तर भारतीय परिवारों के बीच यह परंपरा प्रचलित है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में भी अहोई अष्टमी का व्रत किया जाता है। भारत के बाहर, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय भी इस पर्व को उतनी ही आस्था से मनाते हैं। हरियाणा के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत इस वर्ष की अहोई अष्टमी आज सोमवार 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मना रहा है।

इस दिन माताएँ व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करके अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। पावन भाव से व्रत करते हुए महिलाएं अपने घरों में बच्चों के लिए विशेष व्यंजन भी बनाती हैं। अहोई अष्टमी की सुबह महिलाएँ स्नान कर निर्जला व्रत आरंभ करती हैं और शाम को तारों के दर्शन के बाद ही व्रत खोलती हैं। माना जाता है कि अहोई माता की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अहोई अष्टमी के दिन "अहोई कथा" सुनने की भी परंपरा है। शाम के समय गाँव की महिलाएँ एकत्र होकर अहोई माता की कथा का वाचन करती हैं। इस सन्दर्भ में प्रचलित लोक कथा के अनुसार, एक बार एक स्त्री जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। अनजाने में उसके फावड़े से एक साही (या शेरनी के बच्चे) को चोट लग गई और वह मर गया। उस स्त्री को शाप मिला कि उसकी संतान जीवित नहीं रहेगी। दुःखी होकर जब उसने पश्चाताप किया, तो उसे बताया गया कि वह कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन अहोई माता की पूजा करे। स्त्री ने श्रद्धा से व्रत रखा और माता की कृपा से उसे संतान सुख प्राप्त हुआ। तभी से यह व्रत अहोई अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। कथा के बाद सात बार "अहोई माता की जय" बोलकर माताएँ अपने बच्चों के नाम लेती हैं और माता से उनकी रक्षा और लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं।

अहोई अष्टमी का पर्व बड़े श्रद्धा के साथ जनमानस को लोककला से जोड़ने का कार्य करता चला आ रहा है। हरियाणा के कई इलाकों में अहोई अष्टमी लोककला का भी सुंदर प्रदर्शन बन जाती है। इस दिन महिलाएँ अपने घरों में दीवार या कागज़ पर अहोई माता की आकृति बनाती हैं। यह चित्र गेरू, चावल के घोल या मिट्टी से पारंपरिक लोककला शैली में बनाया जाता है। चित्र में माता के साथ सात बिंदियाँ बनाई जाती हैं, जो सात संतान या सात पीढ़ियों का प्रतीक मानी जाती हैं। बाघ या साही का चित्र अहोई माता का वाहन दर्शाता है। महिलाएँ अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बनाती हैं, उसके आगे जकरी रखती हैं और चाँदी की "श्यो माता की माला" भी रखती हैं। घर में जितने बच्चे हों उतनी ही चांदी से बनी पत्तियाँ माला में डालकर इन पर पहनाई जाती हैं या यह माला विवाहित स्त्रियाँ संतान प्राप्ति की कामना से धारण करती हैं। मिट्टी की "जकरी" बनाई जाती है जिसे पूजा के बाद जलाशय में विसर्जित किया जाता है। हालांकि मिट्टी की "जकरी" का स्थान आजकल लगभग सब जगह धातु के बने छोटे कलश ने ले लिया है।

अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बने चित्र के आगे दो "जकरियाँ" रखी जाती हैं, एक में पानी और दूसरी में अनाज या भोजन सामग्री। पूजा के समय इन जकरियों में दीपक जलाकर माता की आराधना की जाती है, प्रसाद चढ़ाया जाता है और कथा सुनने के बाद सभी महिलाएँ एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। पूजा के बाद इन्हें अहोई माता के आगे रखा जाता है और भाई दूज के दिन "पानी वाली जकरी" का जल घर में छिड़का जाता है।

हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।"

ऐसा माना जाता है कि इससे घर का वातावरण पवित्र रहता है और बच्चों की सुरक्षा होती है। इस परंपरा में हरियाणा के लोगों की आस्था और घरेलू संस्कारों की गहराई झलकती है। हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।" इससे परंपरागत ढंग से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना का विकास भी होता है।

जन सामान्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के विभिन्न जिलों में अहोई अष्टमी की अपनी अलग-अलग लोक परंपराएँ हैं। रोहतक और झज्जर क्षेत्र में महिलाएँ अहोई माता का चित्र चाँदी के फ्रेम में रखकर पूजा करती हैं और "सात अनाज" जैसे गेहूँ, चावल, मूँग, सरसों, तिल, दालें और जौ का दान देती हैं। भिवानी और सिरसा में बच्चों के हाथ में सुई-धागा बंधवाने की परंपरा है, जो सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। वहाँ पूजा के समय हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है और बाद में बच्चों को खिलाया जाता है। पानीपत, करनाल और कुरुक्षेत्र की महिलाएँ शाम को मंदिरों में एकत्र होकर सामूहिक रूप से आरती गाती हैं और इसे दीवाली की तैयारियों की शुरुआत मानती हैं। रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अब प्रिंटेड या डिजिटल चित्रों से पूजा की जाती है, लेकिन भाव वही रहता है बच्चों की सुरक्षा और परिवार की समृद्धि की कामना।

इस अवसर पर पूजा के बाद महिलाएँ गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या अनाज दान करती हैं और बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लेती हैं। कई जगहों पर महिलाएँ अपने आँगन में मिट्टी के बने छोटे-छोटे दीयों की कतार लगाती हैं जिन्हें "अहोई दीए" कहा जाता है। तारे निकलने के बाद माताएँ बच्चों के नाम लेकर तारों को अर्घ्य देती हैं। इस तरह अहोई अष्टमी हरियाणा में न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि परिवारिक एकता, स्त्री के त्याग और मातृत्व की भावनाओं का उत्सव भी है। यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही उस संस्कृति का प्रमाण है, जिसमें स्त्री अपने परिवार के सुख और संतानों के कल्याण के लिए तप और भक्ति दोनों को समान भाव से निभाती है। अहोई माता की पूजा केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, आस्था और मातृत्व की अखंड परंपरा है जो हरियाणा की मिट्टी में आज भी उसी भाव से जीवित है।

संस्कृति | रामबीर सिंह 'राम'

लोकगीतों में 'कातक'

राम-राम! हरियाणवियों अथवा भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों के लिए दिवाली का पावन पर्व का उल्लास, उत्साह और विश्वास उनके जीवन का अंग है। इसलिए दिवाली मनाने के बारे में कुछ कहना या लिखना बेमानी-सा प्रतीत होता है। इस पर भी उन हरियाणा के लोगों की बात करें जो अपने दिन की शुरुआत से लेकर किसी से अभिवादन तक 'राम' के अतिरिक्त किसी और शब्द को स्थान न देते हों तो थोड़ा और हैरानी की बात होगी। दरअसल, भारत में दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पांच दिन का उत्सव अर्थात 'पंचोत्सव' है, जो कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक मनाया जाता है।

ऐसे में जब दिवाली को लेकर हम हरियाणा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि देखते हैं तो वह आह्लादित कर देती है। जहाँ पूरा कार्तिक माह ही एक उत्सव प्रतीत होता है और इसे पवित्र और पुण्यदायी महीना माना जाता है। हरियाणा में कार्तिक के माह के लोकगीत प्रचलन में हैं। इन लोकगीतों की जड़ें उतनी ही गहरी हैं, जितनी उसकी कृषि परंपरा। जब कार्तिक का महीना आता है, तो गाँवों की सुबह सरोवरों की कलकल ध्वनि और लोकनारी के स्वर से गूंज उठती हैं। महिलाएं भोर में सूर्योदय से पूर्व सरोवरों में 'कातक न्हाण' यानि स्नान के लिए जाती हैं। 'कातक न्हाण' के लिए महिलाएँ प्रातःकाल मिट्टी के दीप जलाकर, हाथों में पूजन सामग्री लिए, समूहों में एकत्र होती हैं। उनके कंठ से फूटते हैं वे मधुर हरियाणवी गीत जो पीढ़ियों से विरासत बनकर चले आ रहे हैं। एक ऐसा प्रसिद्ध गीत देखिए .....

राम अर लछमण दशरथ के बेटे
दोन्यूं बणखंड जां,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,
एक बण चाले दो बण चाले
तीजे में लग आई प्यास,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,

इसी प्रकार एक और गीत में तुलसी पूजा पर देखें..

....तुलसां माता तैं सुख दाता
बिडला सीजूं तेरा
तैं कर निस्तारा मेरा
किरसन जी का कांधा दइओ
पीताम्बर की धोती दइओ
बैकुंठ का बासा दइओ
हो ज्या निस्तारा मेरा
बिडला सीजूं तेरा

ऐसा ही एक और लोकगीत देखें ....

सत की साथण पाणी नै चाली, या तुलसां गैल होली हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम
सत की साथण न्यू उठ बोली या तुलसां ओड कुवारी हो राम
भरण गाई जल जमना की झारी हो राम

कार्तिक स्नान पर ही एक गीत अद्भुत है जो आम जन-जीवन की स्थितियां परिभाषित करता है ....

आओ राधा नहाण चलां, मेरे राम
म्हारा तो नहीं ए चलान,दूधां मैं रम रही मेरे राम।
दूधां का कैसा हे गमान,आवै बिलाई पी जावै हरे राम।

कातक के महीने के कुछ लोकगीत यहाँ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए हैं। ये केवल बानगी हैं। अन्यथा हरियाणवी लोकगीतों की सरिता निरंतर प्रवाहमयी है, जिसमें श्रद्धा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की सादगी और ग्रामीण स्त्री की भावनाओं का संगीत भी बहता है। ये गीत न केवल स्नान की विधि का अंग हैं, बल्कि लोकभक्ति, आस्था और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं, जिसमें कार्तिक न्हाण के गीत भी इसी भावधारा के प्रतीक हैं। इन गीतों में रामभक्ति और कृष्णभक्ति का माधुर्य, नदियों का पवित्र स्पर्श और खेत-खलिहान की गंध घुली है। जो हमारी गाँव की आत्मा, नारी की श्रद्धा और संस्कृति की निरंतरता के सजीव प्रमाण हैं।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकाश | जब दिवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं

दीया : म्हारी सनातन संस्कृति की अमर ज्योत

परंपरा | जयदेव राठी भराण

माट्टी के उस छोट्टे से दीये म्ह जो ज्योत जलैं सै, वा सिर्फ उजाला कोनी, बल्कि म्हारी सनातन संस्कृति की आत्मा सै। जब कोए दीया जलैं सै, तो वो सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदा, बल्कि अपणे भित्तर के अज्ञान रूपी अन्धेरे नै भी मिटाण का संकल्प लेवै सै। यो साधारण सा दिखण आल्ला माट्टी का दीया म्हारी आस्था, बिश्वास अर आध्यात्मिकता का निशान सै।

माट्टी तै बण्या, माट्टी म्ह मिलण आल्ला

दीये की सबतै बड्डी खासियत यो सै के वो माट्टी तै बणै सै - उस्से पंचतत्व तै जिसतै यो दुनिया अर हम सारे बणे सां। कुम्हार अपणे हाथां तै जब माट्टी नै आकार देवै सै, तो वो सिर्फ एक बर्तन कोनी बणावै, बल्कि पूजा का एक पवित्तर साधन बणावै सै। यो दीया हाम्नै याद दिलावै सै के हम सारे माट्टी के बणे सां अर एक दिन माट्टी म्ह ए मिल जावांगे।

यो साधारणता म्ह असाधारणता का संदेश देवै सै। दीये की बणावट जितनी सीधी सै, उतना ए गहरा सै इसका दर्शन। चार मुंहा दीया हो या एक मुंहा, हरेक दीये म्ह तेल या घी भरया जावै सै अर बाती राक्खी जावै सै। जब यो दीया जलैं सै, तो इसकी लौ ऊपर कान्नी उठै सै - यो हाम्नै सिखावै सै के जिन्दगी म्ह हमेशा ऊपर उठण का, उन्नति का जतन करणा चाहिए।

आत्मा की लौ, ध्यात्मिक महत्त्व

सनातन धरम मै दीया आत्मा का प्रतीक होवै सै। जैसे दीया तेल, घी और बाती तै जलैं सै, उसे तरहैं आत्मा शरीर और करम तै चमकै सै। ध्यान लगावण मै दीया की लौ ठहरै सै और मन भी पूजा, यज्ञ और ध्यान मै दीया जरूरी सै क्योंकि यो अंदर की ज्योत नै जगावै सै ।सनातन परम्परा म्ह दीया का आध्यात्मिक महत्त्व घणा गहरा सै। दीये की ज्योत नै ब्रह्म का निशान मान्या जावै सै - वो परम उजाला जो सारे अन्धेरयां नै दूर करै सै। जब हम किसे देवता कै आठगै दीया जलांवां सां, तो यो सिर्फ एक रस्म कोनी होवै, बल्कि यो म्हारी प्रार्थना होवै सै के 'हे प्रभु, जिसा यो दीया अन्धेरे नै दूर कर रह्या सै, उस्से तरहां ए मेरी जिन्दगी तै अज्ञान का अन्धेरा दूर करो'। दीये के विभिन्न अंग हामनै जिन्दगी की सीख देवैं सै। दीये का आधार म्हारी नींव सै - म्हारे संस्कार, म्हारी माट्टी। तेल या घी म्हारे करमां का निशान सै - बढ़िया सोच करम ए जिन्दगी रूपी दीये नै जल्लाएं राक्खैं सै। बाती म्हारा मन सै - जै मन साफ सै तो ज्योत स्थिर अर चमकदार रहवैगी। अर वा लौ वा म्हारी आत्मा सै, जो सदा ऊपर, परमात्मा की ओड़ उठण का जतन करै सै।

प्रकृति और परम्परा, समाज की बात

आज जैब बिजली का झाल्लर और प्लास्टिक का सजावट चालै सै, तो माटी का दीया जलाणा एक तरहैं तैं पर्यावरण बचावै और आत्मनिर्भरता का फैसला बन गया सै। दीया ना केवल प्रकृति नै बचावणै की जिम्मेदारी दिखावै सै, बल्कि गांम के कारीगरों के घर मै भी उजाला करै सै। हर एक रोजगार सै एक सम्मान सै। माटी का दीया गांम के कुम्हार की मेहनत का प्रतीक सै, जो शहर मै भी अपनी जगह बना ले सै। दीया एकता, अपनापन और लोक कला की पहचान सै।

दीया म्हारी सभ्यता का वाहक, आस्था का निशान

दीया सिर्फ माटी का बण्या एक छोटा पात्र कोनी सै, यो म्हारी सभ्यता का वाहक सै, म्हारी आस्था का निशान सै। म्हारी जिन्दगी दर्शन का मूर्त सै, जब हम एक दीया जलावां सां तो हम अपणे भित्तर भी एक दीया जलावां सां - ज्ञान का, प्रेम का और करुणा का। सनातन संस्कृति म्ह दीये का स्थान अमर सै।

यूगों तै यो म्हारे घरां म्ह, मन्दरां म्ह,
तीज - त्यौहारां म्ह उजाला फैला रह सै।
तमसो मा ज्योर्तिमय ॥

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

जब दीवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं। वे कहवैं सैं के जिन्दगी म्ह कितनी भी मुश्किलां आवैं, हम मिलकै उनने दूर कर सकां सां। हरेक छोट्टा जतन महत्त्वपूर्ण सै, जिसा हरेक छोट्टा दीया अन्धेरे नै कम करण म्ह योगदान देवै सै। आण आली पीढ़ी जब दीया जलावै गी तो वे ना सिर्फ एक परम्परा का पालन करै गी बल्कि उस शाश्वत सच नै भी जिन्दा राख्गी उजाला ए जिन्दगी सै उजाला ए सच सै।

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

आओ हम सारे संकल्प लेवां के अपणी जिंदगी नै एक दीये की तरह बणावां जो खुद जलैं अर दूसरां नै भी उजाला दे जो विनम्रता तै माटी पै टिक्का हो सै पर जिसकी ज्योत आसमान की ओड उठै सै । जो अन्धेरे तै लडै अर सदा उजाले की जीत का संदेश दें।

दीपों ज्योति परब्रह्म, दीपो ज्योति जनार्दन : ।
दीपो हरतु मे पाप दीप ज्योतिनरमोस्तुते ॥

योए सै दीये की महिमा, योए सै उसका संदेश, जब ताहीं या दुनिया सै, दीये की ज्योत म्हारी जिंदगी नै उजाली करदी रहवै गी ।

सांस्कृतिक धरोहर वृद्ध केदार तीर्थ और ग्यारह रुद्री मंदिर

आस्था | अंकुर शर्मा

सरस्वती की पवित्र धारा से पोषित कैथल एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसे वेद, पुराण, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना स्थली होने का गौरव प्राप्त है। विद्वानों का मानना है कि जहां सरस्वती नदी के तट पर वेदों की ऋचाओं का सृजन हुआ; जहां कपिष्ठल गोत्रीय लोगों ने ही कपिष्ठल-कठ संहिता नामक ग्रन्थ की रचना की; जहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ वराह मिहिर ने भी अपनी शिक्षा यहां प्राप्त कर बृहत्सहिता जैसे श्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की थी; वह कपिस्थल ही है। महाभारत, वामन पुराण, पाणिनी की अष्ठाध्यायी में कपिस्थल का उल्लेख मिलता है। चौथी शताब्दी ई.पू. के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनान के राजदूत रहे मैगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में इसे कबीस्थलो लिखा है। प्रसिद्ध विदेशी यात्री अल्बरूनी ने अपनी पुस्तक किताब-उल-हिन्द में कवितात नाम से इस का उल्लेख किया है। एक किवदन्ती के अनुसार यहां कपि अर्थात बन्दर अधिक पाए जाने के कारण इसे कपिस्थल कहा जाता था। यहां अंजनी माई का टीला है जिसे हनुमान जी का जन्म स्थान माना जाता है। इस प्रकार कपिस्थल, कपिष्ठल, कवितात ही अपभ्रंश होता हुआ आज का कैथल बना है।

कपिस्थल की पवित्रता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख वामन पुराण और महाभारत में विस्तार से किया गया है। ऋग्वेद के तृतीय मण्डल 3/23/4 में सरस्वती की उपनदी आपगा नदी की स्थिति का उल्लेख किया गया है। जबकि वामन पुराण तथा महाभारत के वन पर्व में कैथल के पश्चिम में आपगा और मानुष तीर्थ स्थान है। जबकि ऋग्वेद प्रथम मंडल(1/23/4) में भी अपाय और मानुष का उल्लेख आता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र 48 कोस में प्राप्त 134 तीर्थ स्थानों में से 50 तीर्थ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कैथल की परिधि में आते हैं। जिनमें पवनहृद तीर्थ, फल्गु तीर्थ, पवनेश्वर तीर्थ, कपिल मुनि तीर्थ, पुण्डरीक तीर्थ, कोटिकूट तीर्थ, वेदवती तीर्थ, वृद्ध केदार तीर्थ,

ग्यारह रुद्री तीर्थ, हव्य तीर्थ, रसमंगल तीर्थ, इक्षुमति तीर्थ, अरंतुक यक्ष, लवकुश तीर्थ, वामन तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन पवित्र तीर्थों में से दो तीर्थ वृद्ध केदार और ग्यारह रुद्री कैथल शहर के मध्य स्थित हैं। जिनका बहुत महत्त्व माना जाता है।

कैथल से उत्तर पूर्व में स्थित वृद्ध केदार तीर्थ का बहुत प्रसिद्ध है। वामन पुराण 36वें अध्याय में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति इस स्थान पर तर्पण करके भगवान शिव को प्रणाम करने के बाद तीन चल्लू पानी पिता है, वह केदार तीर्थ पर जाने का फल प्राप्त कर लेता है -

कपिलस्थेति विख्यातं सर्वपातकनाशनम।
यस्मिन स्थितः स्वयं देवो वृद्धकेदारसंज्ञितः । (वामन पुराण, 36/14)

इसी प्रकार इस सन्दर्भ में महाभारत के वन पर्व में वर्णित है:

कपिष्ठलस्य केदारं समासाद्य सुदुर्लभम ।
अन्तर्धानमवाप्नोति तपसा दग्धकिल्बिषम ॥ (महाभारत, वन पर्व 83/74)

यहां एक शिव मन्दिर बना हुआ है जो अष्टकोणीय है। यहां बने सरोवर की बुजियां भी अष्टकोणीय आकार लिए हैं। वामन पुराण में ऐसा भी कहा गया है कि कपिस्थल नामक तीर्थ में वृद्ध केदार नामक भगवान स्वयं विराजमान हैं। इसी प्रकार कैथल के ही पश्चिम में दूसरा महाभारत काल से एक प्रसिद्ध पुण्यदायी तीर्थ स्थान एवं मंदिर है ग्यारह रूद्री । इस मन्दिर में ग्यारह रूद्रों की स्थापना की गई है। जिनके विषय में महाभारत में वर्णित उल्लेख के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र जो महान ऋषि थे मृगव्याध, सर्प, निऋति, विनाकी, अहिवुध, अजैकपाद दहन, ईश्वर, कपाली, स्थाणु और भव। महाभारत के आदिपर्व में लिखा है :-

एकादशसुताः स्थाणोः ख्याताः परमतेजसः।
मृगव्याधश्चसर्पश्च निऋतिश्चमहायशाः।
अजैकपादहिर्बुध्न्यः पिनाकी च परंतप।
दहनोथेश्वरश्चैव कपाली च महाद्युतिः।
स्थाणुर्मगश्च भगवान रूद्रा एकादशस्मृताः। (महाभारत, आदि पर्व 66/1-3)

ये एकादश ही रूद्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। इस मन्दिर में जलहरी में ग्यारह रूद्र स्थापित किए गए हैं। मन्दिर के दक्षिण में सर्वदेव नामक तीर्थ है। जिसे सकलसर भी कहा गया है।

कैथल के तीर्थों और मंदिरों के बारे में इस संक्षिप्त आलेख में तो यही कहा जा सकता कि कैथल के मंदिरों और तीर्थस्थलों का महत्त्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यहाँ का प्रत्येक मंदिर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर हो या श्री राधा-कृष्ण का शांतिमय धाम, जनमानस की श्रद्धा और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इन तीर्थों के दर्शन से न केवल धार्मिक संतोष मिलता है, बल्कि यह नगर के गौरवशाली अतीत की झलक भी प्रदान करते हैं। कैथल की भूमि स्वयं महाभारतकालीन स्मृतियों से ओतप्रोत है, जहाँ धर्म, वीरता और भक्ति एक साथ प्रवाहित होते हैं। यहाँ के मंदिरों में गूंजती आरती, साधु-संतों के प्रवचन और तीर्थयात्रियों का आगमन नगर को निरंतर पावन ऊर्जा से भर देता है। यही कारण है कि कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

खबर संक्षेप

उत्सव में ममता गुप्ता बनीं मिसेज करवा चौथ

भिवानी। श्रीअग्रवाल महिला मंडल ट्रस्ट द्वारा बैंक्वेट हॉल में करवा चौथ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक उल्लास और उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और इस उत्सव का खूब लुत्फ उठाया। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए कई मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस दौरान मिसेज करवाचौथ प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें ममता गुप्ता ने ये खिताब जीतकर सबको प्रभावित किया। उन्हें श्रीअग्रवाल महिला मंडल ट्रस्ट की संरक्षक प्रेमलता सर्राफ और प्रधान कांता बंसल ने सम्मानित किया।

एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिद्धांत ने जीता कांस्य

भिवानी। करनाल में हुई 38वीं जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लांग जम्प के खिलाड़ी सिद्धांत यादव ने कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया हैं। कांस्य पदक प्राप्त करने पर परिजनों एवं उनके कोच ने उन्हें बधाई दी। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त करने पर सिद्धांत यादव के दादा भलेराम यादव एवं कोच विनोद कटारिया ने कहा कि हमें बहुत-बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि सिद्धांत यादव का जीतना हमारे लिए सुख का अनुभव है। सिद्धांत की मेहनत का ये परिणाम है, इससे हमें बहुत खुशी है। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त करने पर सिद्धांत यादव ने इसका श्रेय अपने परिजनों व कोच को दिया है।

बुजुर्ग धावक रामकिशन ने जीते तीन गोल्ड मेडल

बाढ़ड़ा। गुजरात के सरत में हुए राष्ट्रीय मास्टर्स स्पोर्टस चैंपियनशिप में 72 वर्षीय बुजुर्ग एथलीट रामकिशन शर्मा ने दौड़ प्रतियोगिताओं में तीन गोल्ड मेडल जीतने में सफलता हासिल की है। इससे क्षेत्र के खिलाड़ियों व खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है। सूरत के वीर नर्मदा साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी स्टेडियम में आयोजित चौथी राष्ट्रीय मास्टर्स स्पोर्टस व गेंस चैंपियनशिप में बाढ़ड़ा के बुजुर्ग धावक रामकिशन शर्मा ने 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता, 110 मीटर हार्डले दौड़ व 4 गुना 100 मीटर रिले दौड़ में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीतने में सफलता हासिल की है। रामकिशन शर्मा ने करीब आठ साल पहले खेल को जीवन का हिस्सा बनाया था।

मर्यादा, प्रेम, भक्ति व धर्म के संगम का संदेश देती है रामायण

भगवान राम राज्याभिषेक का दिव्य प्रसंग सुनाकर किया भाव विभोर

महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में राम कथा का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में शुरू हुआ सात दिवसीय श्री राम कथा प्रेम यज्ञ रविवार को भी उत्साह एवं श्रद्धा के साथ जारी रहा।

पुजारी ध्यानदास ने जानकारी देते हुए बताया कि यह धार्मिक अनुष्ठान बालयोगी महंत चरणदास के पावन सान्निध्य में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। कथा के समापन पर 13 अक्तूबर को भगवान राम राज्याभिषेक का दिव्य प्रसंग सुनाया जाएगा। इसके पश्चात श्री राम यज्ञ और भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कथावाचक हनुमान दास महाराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का दिव्य वर्णन करते हुए भक्तों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान राम विवाह उत्सव का पावन प्रसंग मुख्य आकर्षण रहा। कथावाचक ने बताया कि भगवान श्रीराम अयोध्या से मुनि विश्वामित्र के साथ विश्वामित्र आश्रम की ओर प्रस्थान करते हैं। मार्ग में उन्होंने ताडक़ा वध कर ऋषियों को आतंक से मुक्त कराया। विश्वामित्र के कहने पर श्रीराम और लक्ष्मण ने यज्ञ की रक्षा की और मारीच जैसे राक्षसों का वध कर यज्ञ को सफल बनाया। कथा वाचक ने बताया कि जनकपुरी में राम-सीता का पहला मिलन पुष्प वाटिका में हुआ, जहां माता सीता गौरी पूजन कर मन ही मन श्रीराम को अपने वर के रूप में चाह रही थीं, वहीं श्रीराम ने गुरु पूजा कर अपने वधू-सौभाग्य की कामना की।

भिवानी। आयोजित रामकथा के दौरान भगवान राम का राज्यभिषेक प्रसंग सुनाते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

श्रीराम के जीवन प्रसंगों का किया वर्णन

महाराज ने कहा कि यह मिलन वासना से नहीं, उपासना से हुआ था। हमारी सनातनी परंपरा में कन्या गौरी पूजा और युवक गुरु पूजा करके आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस मौके पर बालयोगी महंत चरणदास महाराज ने कहा कि श्रीराम कथा में राम राज्यभिषेक का प्रसंग मंगलमय, हृदयस्पर्शी और आध्यात्मिक रूप से गूढ़ अर्थों से भरा हुआ है। यह आदर्श जीवन, मर्यादा, प्रेम, भक्ति और धर्म के संगम का संदेश देने वाला प्रसंग है।इस दौरान कथावाचक हनुमान दास महाराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का दिव्य वर्णन करते हुए भक्तों को भावविभोर कर दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डा. सुरेंद्र, चेयरमैन हनुमंत, सुरेश, बाबूलाल, अश्विनी कुमार, राजेंद्र कुमार डिपो वाला, तनुज, मुकेश, नत्थुराम भारद्वाज, शंकरलाल सैनी, राम किशन, पुरूषोतम पुष्प, नवरत्न चौहान, महिपाल, रामकरण शास्त्री, डा. सुखविंद्र, राजकुमार बागड़ी, शिवराज बागड़ी, गुरू प्रसाद बागड़ी, सुरेश किराड़, धर्मवीर दहिया, घनश्याम शर्मा एडवोकेट, कुशल चंद्र सैनी, धीरज सैनी, मा. सतीश शर्मा, मा. हरेंद्र पुनिया, सुरेंद्र सिवाड़ा, रमेश सैनी, विजय सिंहमार, मुकेश, सुशील गुप्ता, संजय गुप्ता, विजय, शिवकुमार सहित अनेक श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ 18 से

महोत्सव में खिलाड़ियों को मिलेगा नया मंच

- विस स्तर के खेलों के अव्वल खिलाड़ी खेल महाकुंभ में करेंगे भागीदारी : सांसद

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

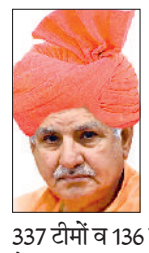

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की खेलों में उभरती प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए 18 अक्टूबर से सांसद खेल महोत्सव शुरू होंगे, जिनमें भागीदारी करने के लिए अभी 337 टीमों व 136 एकल खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों के लिए आनलाइन पंजीकरण करवाया है। प्रथम चरण में विधानसभा व लोकसभा स्तर पर खेलों का आयोजन किया जाएगा,जिनमें 11 तरह खेलों से संबधित प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर की खेल स्पर्धाओं की तर्ज पर सांसद खेल महोत्सव आरंभ किया जा रहा है। इसमें प्रत्येक गांव के खिलाड़ी अपने अपने विधानसभा स्तर पर चयनित खेल परिसरों पर पहुंचकर खेल स्पर्धाओं में भागीदारी करेंगे और अव्वल खिलाड़ी दूसरे चरण में लोकसभा स्तर पर खेल महाकुंभ में भागीदारी करेंगे। इस स्पर्धा में एथलेटिक्स में सौ मीटर दौड़ महिला व पुरुष, लांग जम्प, हाई जम्प महिला व पुरुष, कुश्ती, तैराकी, बॉक्सिंग, 15 सौ मीटर की दौड़, कबड्डी हरियाणा स्टाईल, नैशनल स्टाईल, वालीबाल समेसिंग, रस्साकसी आदि खेलों को शामिल किया है, जिसमें रस्साकसी को छोड़कर सभी खेलों में लड़के लड़कियों की भागीदारी होगी। 29 अगस्त को खेल रत्न मेजर ध्यानचंद जयंती से पोर्टल ओपन किया गया, जिसमें कोई भी इच्छुक खिलाड़ी व्यक्तिगत या टीम के साथ आनलाईन प्रक्रिया में शामिल होकर रजिस्ट्रेशन करवा सकता है।

सांसद धर्मबीर सिंह करेंगे उद्घाटन

भिवानी महेन्द्रगढ लोकसभा क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ 18 अक्टूबर को नारनौल जिले के निजामपुर कस्बे से सांसद धर्मबीर सिंह द्वारा किया जाएगा। इनमें भागीदारी करने के लिए अभी 337 टीमों व 136 एकल खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों के लिए आनलाइन पंजीकरण करवाया है। इसके अगले दिन 19 अक्टूबर को लोहारु के बहल खेल स्टेडियम, 25 अाटूबर को दादरी के रानीला स्कूल के खेल परिसर, 26 अाटूबर को तोशाम के तोशाम खेल स्टेडियम, एक नवंबर को अटेली के एसडी पब्लिक स्कूल ककराला, 2 नवंबर को महेन्द्रगढ के आरपीएस कालेज के खेल परिसर, 8 नवंबर को बाढड़ा के चांदवास खेल स्टेडियम के खेल परिसर, 9 नवंबर को नारनौल के स्टेडियम में होगा आयोजन।

सीटू मेहनकश जनता की आवाज बुलंद करेगा

- सीटू दादरी का तीसरा जिला सम्मेलन सर्व कर्मचारी कार्यालय में सम्पन्न हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सर्व कर्मचारी कार्यालय में सीटू का तीसरा जिला सम्मेलन जिला प्रधान कमलेश भैरवी , जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार घिकाडा सुरेश कुमार जेवली, रोशन लाल धारणी, प्रेमपती माहराण ,सुनिता देवी रामबास की संयुक्त अध्यक्षता में संपन्न हुआ। संचालन जिला सचिव सुमेर सिंह धारणी ने किया। बतौर मुख्य अतिथि सीटू प्रदेश सचिव कामरेड अनिल कुमार ने कहा कि हमारे देश में, एक उभरता हुआ मुद्दा अमेरिका द्वारा प्रेरित टैरिफ युद्ध है। चल रही व्यापार-वार्ताओं और साम्राज्यवादी दबावों के आगे मोदी सरकार के झुकने के चलते, इसने कृषि और उद्योगों/सेवाओं दोनों पर इसके विनाशकारी प्रभाव के खतरों को उजागर कर दिया है। मत्स्य पालन, कपास-वस्त्र क्षेत्र, मध्यम और लघु-स्तरीय उद्योगों में नकारात्मक प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहा है।

भिवानी। चरखी दादरी में आयोजित सम्मेलन में उपस्थित लोग। *फोटो: हरिभूमि*

वित्त रिपोर्ट प्रस्तुत की

जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार घिकाडा ने वित्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट की बहस में आंगनबाड़ी से सुनीता , भवन निर्माण से राजेंद्र बेरला, मिड डे मील से आशा वर्कर से प्रेमवती अपनी बातचीत रखी। जिला सचिव ने सभी सवालों को जबाब देने के बाद दोनों रिपोर्ट को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

इन्हें मिली जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि मजदूर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश लगाया जा रहा है; संविधान को कमजोर करके तानाशाही उपायों का सहारा लिया जा रहा हजिला सम्मेलन ने 13सदस्यीय जिला कमेटी का चुनाव किया गया। जिसमें ,पद सहित, जिला संयोजक राजकुमार घिकाडा, जिला सहसंयोजक सुमेर सिंह, धारणी , जिला सहसंयोजक कमलेश भैरवी , सुनीता देवी, प्रेमवती, रोशन लाल धारणी, सुरेश कुमार जेवली, संजय जीतपुरा, राजेंद्र बेरला सहित 4 स्थान रिक्त रखा गया है। इसके अलावा आगामी 25 से 27 अक्टूबर को राज्य सम्मेलन करनाल में होने वाले डेलीगेट चुनाव किया गया जिसमें कमलेश भैरवी, सुमेर सिंह धारणी, राजकुमार घिकाडा सुनिता रामबास , सर्व सहमति से चुना गया।

निष्पक्ष जांच को निकाला कैंडल मार्च

- आइपीएस सुसाइड मामले में सड़कों पर उतरे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

अम्बेडकर समाज सेवा एवं शिक्षा समित्ति , हरियाणा जागृति मोर्चा ने प्रदेश के एडीजीपी वाई. पूरन कुमार सुसाइड मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर रात गुरुद्वारा चौक पर नागरिकों ने कैंडल मार्च किया। अम्बेडकर समाज सेवा एवं शिक्षा समिति के प्रधान रामबीर गौरिया , हरियाणा जागृत्ति मोर्चा के प्रधान एडवोकेट राजेश सिंधू समाज सेवी जितेन्द्र गौरियां व संजय गौरियां, पार्षद प्रतिनिधि विनोद भौरियां तथा रामनिवास गौरियां ने बताया कि यह प्रदर्शन वाई. पूरन कुमार को न्याय दिलाने की मांग की।

बवानीखेड़ा। कैंडल मार्च निकालते हरियाणा जागृति मोर्चा के सदस्य।

ये रहे मौजूद

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पूरण कुमार को न्याय दो नारे लगाते कैंडल हाथो लेकर स्वर्गीय धर्मबीर के भवन तक गये और दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि जब तक देश संविधान की मर्यादा के अनुसार नहीं चलेगा, तब तक समाज और नागरिक सुरक्षित नहीं रह सकते। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश पर हाल ही में हुए हमले की निंदा करते हुए कहा कि 2014 के बाद से ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं, जो लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है । अमन,हिमांशु ,दिपाशी, साहिल, कोमल, पंकजआदि रहे।

राष्ट्र निर्माण की दिशा में किया प्रेरित

- स्वच्छता,शिक्षा और सेवा यही विकसित भारत के तीन आधार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी की जिला शिक्षा अधिकारी डा. निर्मल दहिया के आदेशानुसार एवं हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकुला के निर्देश पर जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में विकसित भारत बिल्डथॉन अभियान 13 अक्टूबर आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करना और हम बदलेंगे तो देश बदलेगा की भावना को सशक्त बनाना है। इस दिशा में गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओ.पी. दलाल राजकीय उच्च विद्यालय के अंतर्गत चल रही पहल बदलाव की पाठशाला ने पहले ही विकसित भारत अभियान को सक्रिय रूप से शुरू कर रखा है। इस पहल के माध्यम से विद्यालय में स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ी गतिविधियाँ लगातार संचालित की जा रही हैं।

विकसित भारत एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन

बदलाव की पाठशाला के संचालक शारीरिक शिक्षा शिक्षक विनोद पिंकू ने बताया कि विकसित भारत अभियान केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर का एक जन-आंदोलन है। यदि विद्यार्थी अपने भीतर अनुशासन, ईमानदारी और सेवा की भावना लाते हैं, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। विद्यालय मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने भी कहा कि यह गर्व की बात है कि बदलाव की पाठशाला जैसे प्रयास अब जिला स्तर पर प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं। आने वाले दिनों में इस मॉडल को अन्य विद्यालयों में भी अपनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने कहा की विद्यार्थियों को एकजुट कर विकसित भारत अभियान के संकल्प दिलाया जाएगा, जिसका लाइव प्रसारण सुबह 10 बजे से 12 तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पुरा होगा होगा।

सोमवारपुरी कुटिया के जलभराव मिलेगी निजात

- नगर पालिका कार्यालय के पीछे जमा बरसाती व सीवरेज का गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में बरसाती पानी ने जमकर तांड़व मचाया जिसके कारण चारों तरफ पानी जमा हो गया। नगर पालिका कार्यालय के पीछे मौजूदा भी बरसाती व सीवरेज का पानी जमा है जिसने अब दलदल का रूप धारण कर लिया है व दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित हो रही है। वहीं नगर पालिका प्रधान सुंदर अत्री, सचिव संदीप गर्ग एवं कर्मचारी, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी व अधिकारियों ने भी दिन-रात एक करके समस्या का समाधान करने का प्रयास किया। जिसमें कहीं कामयाबी मिली तो कहीं अभी भी काम अधर में है व समस्या के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि तीर्थ जोहड़ के साथ वाले जोहड़ में पानी की समस्या का समाधान करने का कार्य किया जा रहा है।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा नगर पालिका कार्यालय के पीछे जमा बरसाती व सीवरेज का पानी। *फोटो: हरिभूमि*

दूर होगी दिक्कत

सोमवार से सोमवारपुरी कुटिया का पानी निकलना शुरू हो जाएगा पहले ट्रांसफर्मर सैट की व्यवस्था नहीं हो पाई थी हालिया किसी अन्य स्थान से इसकी व्यवस्था करके इसे सैट किया गया है इसके पानी की निकासी की जाएगी, धीरे धीरे अन्य स्थानों से भी पानी निकाला जाएगा। ताकि समस्या का समाधान हो सके। वहीं उन्होंने बताया कि विधायक कपूर वाल्मीकि भी स्वयं जलभराव पर नजर रखे हुए हैं और सभी मिलकर हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि जलभराव से मुक्ति मिले। वहीं उन्होंने नगर पालिका कार्यालय के पीछे जमा पानी की भी जल्द निकासी करवाने की बात कही।

सत्यनारायण का किया सम्मान

- सत्यनारायण बने संत शिरोमणि नामदेव रोहिल्ला टांक सभा के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

प्रेमनगर स्थित संत शिरोमणी नामदेव रोहिल्ला टांक सभा की बैठक का आयोजन किया। प्रेमनगर ढाणी रोड की संत नामदेव धर्मशाला परिसर में आयोजित बैठक के दौरान सभी ने नई कार्यकारिणी गठन के लिए सर्वसम्मति से प्रधान पद के लिए सत्यनारायण रोहिल्ला नीमली को चुना। इसके बाद सभी ने आपसी सहमति से चेयरमैन के नए पद को सृजित कर इसकी जिम्मेदारी रिटायर्ड जेई जयप्रकाश धनासरी को सौंपी।

चरखी दादरी। संत शिरोमणी नामदेव रोहिल्ला टांक सभा के नवनियुक्त पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

नवनियुक्त दोनों पदाधिकारियों को पद की बधाई देते हुए फूलमालाए पहनाकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। नवनियुक्त प्रधान सत्य नारायण ने सबको भरोसा दिलाया, कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा व ईमानदारी से पालन करेंगे। इस अवसर पर पार्षद मनोज वर्मा, पूर्व प्रधान जयभगवान, पूर्व कोषाध्यक्ष हेमचंद, सेवानिवृत एसडीओ रमेश कुमार, ओमप्रकाश गोरिया, रामधन, सज्जन सिंह, रामौतार, गोविन्द मंढोला, जितेंद्र, सत्यवान नंबरदार व श्याम सुंदर आदि मौजूद रहे।

उच्च पद पर बैठे अधिकारी का आत्महत्या के लिए मजबूर होना शासन के तंत्र पर है सवाल : अम्मू

करणी सेना ने राजपूत धर्मशाला में भव्य करणी सैनिक सम्मेलन किया आयोजित

सम्मेलन में संगठन एकता, सामाजिक न्याय व संस्कृति संरक्षण पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

करणी सेना जिला भिवानी द्वारा स्थानीय राजपूत धर्मशाला में रविवार को भव्य करणी सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सम्मेलन में प्रदेशभर के करणी सैनिकों ने उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाई। इस अवसर पर करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे तथा अध्यक्षता करणी सेना हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल राणा ने की। इस मौके पर काला हांडी उड़ीसा से करणी सेना युवा शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष नील देव सिंह ने बतौर विशेष अतिथि शिरकत की।

भिवानी। द्वीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ करवाते हुए।

आईपीएस आत्महत्या की हो निष्पक्ष जांच

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल अम्मू ने हरियाणा के एडीजीपी वाई. पूरन कुमार की संदिग्ध मौत को लेकर कहा कि वे इसे आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या मानते हूं। इस मामले में दोषियों पर तुरंत कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार की सहमति के बिना ना पोस्टमॉर्टम होना चाहिए और ना अंतिम संस्कार। करणी सेना आईएएस अमनीत सिंह और पूरे परिवार के साथ चट्टान की तरह खड़ी है। अम्मू ने कहा कि अगर किसी अधिकारी को सिस्टम इस हद तक तोड़ दे कि वह अपनी जान देने जैसा कदम उठाए, तो यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि पूरे शासन तंत्र पर सवाल खड़ा करता है। एडीजीपी के अंतिम नोट से यह स्पष्ट होता है कि उनके साथ गंभीर भेदभाव हुआ था। उन्होंने कहा कि करणी सेना हरियाणा सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग करती है। यदि एडीजीपी वाई पूरण कुमार को न्याय नहीं मिलता, तो करणी सेना इसका विरोध करेगी और राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम सभी जिलों से ज्ञापन सौंपेगी।

शैक्षणिक भ्रमण से मिलती नगरों के गौरवशाली इतिहास की जानकारीः लक्ष्मण

28 विद्यार्थियों का दल गोवा एडवेंचर एवं नेचर स्टडी कैंप के लिए रवाना

विद्यार्थियों को प्रकृति के बीच रहकर सीखने की प्रेरणा मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में आयोजित गोवा एडवेंचर एवं नेचर स्टडी कैंप के लिए रविवार को भिवानी सिटी रेलवे स्टेशन से विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का दल हर्षोल्लास के साथ रवाना हुआ। इस दल को राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी लक्ष्मण गौड़, युथ एंड इको क्लब्स के जिला संयोजक कमल शर्मा एवं तरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से गोवा के लिए विशेष ट्रेन से प्रस्थान करेगा। उन्होंने बताया कि भिवानी जिले से कुल 28 विद्यार्थियों का चयन कैंप के लिए हुआ, जिनमें 10 छात्र एवं 18 छात्राएं शामिल हैं। जिला संयोजक कमल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कैंप विद्यार्थियों को प्रकृति के बीच रहकर सीखने की प्रेरणा देगा। पांच दिवसीय कैंप में विद्यार्थी गोवा के कोस्टल एरिया, प्राकृतिक पर्यावरण तथा संस्कृति एवं विरासत का अध्ययन करेंगे। कैंप के दौरान ट्रैकिंग, ऑब्स्टेकल क्रॉसिंग, नेचर वॉक, स्काउटिंग एवं गाइडिंग, सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, फॉक डांस और कैंप फायर जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी लक्ष्मण गौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे टूर बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं समस्या-समाधान कौशल विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षा नियमों का पालन करने, समूह में रहने और स्थानीय लोगों से प्रकृति एवं संस्कृति की जानकारी एकत्रित करने की प्रेरणा दी। जिला संयोजक सेकेंडरी तरुण कुमार ने बताया कि लोहारू पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय के संजय कुमार दल के एस्कॉर्ट टीचर हैं, जिन्हें कैंप का नोडल इंचार्ज नियुक्त किया है। विद्यार्थियों की सुरक्षित यात्रा एवं संपूर्ण अनुशासन की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है।

कैंप छात्रों को प्रकृति के बीच रहकर सीखने की देगा प्रेरणाः कमल

विद्यार्थियों के दल को गोवा एडवेंचर एवं नेचर स्टडी कैंप के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना करते राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी लक्ष्मण गौड़, जिला संयोजक कमल शर्मा व तरुण कुमार।

खबर संक्षेप

राजीव गांधी चैलेंजर कप के लिए मनोबल बढ़ाया

बवानीखेड़ा। 21 से 23 तक हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में राजीव गांधी चैलेंजर कप का आयोजन पीसीसीएआई के बैनर तले डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा किया गया जिसमें भारत के सभी राज्यों से खिलाड़ियों का चयन कर इंडिया ग्रीन रेड ओर येलो नाम से तीन टीम बना कर प्रतियोगिता करवाई गई। इंडिया ग्रीन टीम में हरियाणा के 5 खिलाड़ी खेल रहे थे कप्तान अश्वनी वधावन कुरुक्षेत्र की कप्तानी में इंडिया ग्रीन ट्रॉफी जीत कर चैंपियन बनी। सोरखी हिसार हरियाणा के खिलाड़ी अजय बिडदू मैन ऑफ टूर्नामेंट बने।

बच्चों की गतिविधि पर नजर रखें परिजन

चरखी दादरी। दादरी पब्लिक स्कूल में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया। बैठक में अभिभावकों ने बच्चों की शैक्षणिक व व्यक्तिगत विकास पर शिक्षकों से विस्तृत चर्चा की। स्कूल निदेशक मुन्नालाल गुप्ता व पूनमचंद गुप्ता ने बैठक से बैठक माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों के बीच घनिष्ठ संबंध को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को बच्चों की गतिविधियों पर निरंतर नजर रखनी चाहिए। बैठक के दौरान छात्रों की प्रगति रिपोर्ट सांझा की। विद्यालय की प्राइमरी विंग प्राचार्या निधी गुप्ता ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए माता-पिता, शिक्षक और स्कूल प्रशासन के बीच सामंजस्य और सहयोग बहुत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस तरह की बैठक से न केवल विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान होता है।

डिग्री की मांग को लेकर सीबीएलयू में धरना पांचवें दिन भी जारी रहा

विद्यार्थियों को गुमराह करने का काम कर रहा विवि: कमल प्रधान

विद्यार्थियों ने कहा-बिना डिग्री नहीं कर सकते नौकरी के लिए आवेदन, डिप्लोमा के आधार पर रोजगार के अवसर नहीं बनते।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी में समाज कार्य जैसे महत्वपूर्ण विषय की डिग्री को डिप्लोमा में तब्दील करने को लेकर विद्यार्थी लगातार विरोध कर रहे है। विश्वविद्यालय के गेट के बाहर विद्यार्थियों का धरना जारी रहा। विद्यार्थियों ने आरोप लगाए है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने जान-बूझकर डिग्री को डिप्लोमा में बदल दिया है।

भिवानी। सीबीएलयू के आगे धरने पर बैठे छात्र। फोटो : हरिभूमि

विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया

डिप्लोमा में आधार पर न तो कहीं नौकरी मिल सकती है और न ही वे शैक्षणिक क्षेत्र में जा सकते है। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रोष व्यक्त किया। धरने को समर्थन देने रविवार को युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल प्रधान पहुंचें। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कमल प्रधान ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नाम पर विद्यार्थियों को गुमराह करने का काम कर रही है। अगर विद्यार्थियों के पास डिग्री नहीं होगी तो उन्हें बेरोजगारी का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में आए दिन डीएमसी समय पर न देना, फीस बढ़ोतरी सहित अन्य दिक्कतों का सामना विद्यार्थी कर रहे है। कमल प्रधान ने कहा कि वे विद्यार्थियों के हक के लिए सदैव उनके साथ खड़े है। वे भी पूर्व में छात्र नेता रहे है तो वे विद्यार्थियों की समस्याओं से भली भांति अवगत है।

जिले में रोजगार के अवसर कम

भिवानी जिले में रोजगार के साधन कम है। अधिकतर लोग खेतीबाड़ी करते है और उनके बच्चे विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने आ रहे है। ऐसे में अधिक फीस, डिग्री की जगह डिप्लोमा जैसी समस्याओं से विद्यार्थियों को तंग करना प्रशासन बंद करें। वहीं छात्र नेता सुमित बराड़ और प्रवीण बूरा प्रेमनगर ने कहा कि विद्यार्थी पिछले पांच दिन से धरने पर बैठे है। विश्वविद्यालय प्रशासन को विद्यार्थियों की मांग माननी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि समाज कार्य की डिग्री के बिना विद्यार्थी नौकरी के लिए आवेदन ही नहीं कर सकते है। इसके अलावा किसी विद्यार्थी को अगर सहायक प्रोफेसर बनना है तो उन्हें नेट क्लियर करना पड़ेगा, जिसके लिए डिग्री होना भी अनिवार्य है। इस अवसर पर विभाग के समस्त विद्यार्थी मौजूद रहे।

सनातन धर्म का पूरा विश्व मान रहा लोहा

चरखी दादरी। समारोह में बख्शीराम सैनी को स्मृति चिन्ह देते आयोजक

- छठ पर्व सेवा समिति मंडल ने संजय बठला को
- कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का चेयरमैन बनने पर दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी ने कहा कि भारतीय श्रीसनातन धर्म के सिद्धांतों का आज पूरा विश्व लोहा मानकर आगे बढ़ रहा है। सैनी एक धार्मिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कार व संस्कृति की अलग से पहचान हैं, जिसका मुकाबला नहीं हैं। भारत देश के संस्कार एवं संस्कृति हमें बड़े बूढ़ों व महिलाओं का सम्मान करना सिखाता हैं।

विश्व को एक परिवार मानने की अवधारणा

उन्होंने कहा कि विकसित देशों के नागरिकों को समझ में आने लगा है कि भौतिक साधनों की बजाय अगर जीवन में सच्चा आनंद व खुशी पानी है तो वो केवल भारतीय श्रीसनातन संस्कृति व समस्त विश्व को एक परिवार मानने की अवधारणा में छुपी है। हमारे ऋषि मुनियों के जीवन का भी एक मात्र ध्येय यही रहा था कि सभी को आपसी प्रेम व सौहार्द के जरिए परमात्मा की भक्ति के लिए प्रेरित किया जाए। भगवान वाल्मीकि का जीवन इस दिशा में सभी को प्रेरित करता है कि परमात्मा के आशीर्वाद से विचारधारा बदलाव होने से व्यक्ति सही मायनों में मानव जीवन को सार्थक कर संत बन सकता है, जिनका आने वाली हजारों पीढ़ियां अनुशरण करेंगी।

झोझूकलां कॉलेज में कार्यक्रम

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में टीम जी ने प्रथम स्थान पर जमाया कब्जा

विजेता छात्राओं को सम्मानित करते स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

महिला महाविद्यालय झोझूकलां के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें आठ टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कम्प्यूटर व अन्य विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे गए। टीम जी ने अन्य टीमों को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रतियोगिता में टीम ए ने द्वितीय तथा टीम ई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. मंजू सांगवान ने छात्राओं को कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं ज्ञानवर्धन में सहायक हैं। डॉ. मुन्नी चौधरी व डॉ. मंजीत कुमारी ने विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जेवली रोड पर दूषित पानी की निकासी नहीं होने से आवागमन ठप

बाढ़ड़ा। कस्बे के जेवली रोड पर पिछले काफी समय से सड़क पर दूषित पानी भरा है। नाले का निर्माण होने के बाद भी दुषित पानी को लेकर दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे में कई बार अधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। दुकानदारों में विभाग के प्रति रोष बना हुआ है। दुकानदार राजेश, संदीप, रामचंद्र, विकास, योगी व रवि आदि ने बताया कि सड़क का निर्माण तो करवा दिया जबकि दोनों ओर नालियों का निर्माण नहीं करवाया, जिससे गलियों का दूषित पानी नालियों से होते हुए सड़क पर भरा रहता है। दूषित पानी भरा रहने से दुर्गंध बनी रहती है।

सागवान में पर्वतारोही प्रवीण के सम्मान में समारोह

युवा भाजपा नेता मोहित चौधरी ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के पुत्र एवं युवा भाजपा नेता मोहित ने रविवार को गांव सागवान में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर अतिथि शिरकत की।

ज्ञात हो की यह समारोह पर्वतारोही प्रवीण के फ्रेंडशिप पीक (ऊंचाई 5289 मीटर) एवं यूनाम पीक (ऊंचाई 6111 मीटर) को सफलतापूर्वक फतेह करने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस दौरान युवा भाजपा नेता मोहित चौधरी ने पर्वतारोही प्रवीण को उनकी अदम्य साहस, परिश्रम और उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है लेकिन उन्हें अवसर नहीं मिल पाता अवसर के अभाव में प्रतिभाएं छुपी रह जाती हैं। भाजपा सरकार में ग्रामीण क्षेत्र से अनेक युवा ऐसे उभर कर आए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा से दुनिया में लोहा मनवाया है। मोहित चौधरी ने कहा कि होनहार पर्वतारोही प्रवीण ने जो अदम्य साहस दिखाया है वह काबिले तारीफ है। इस अवसर पर मास्टर अश्विनी महता, मास्टर सुनील सुरा, रोशन यादव, शमशेर बागनवाला, अनिल झाझडिया, पूर्व सरपंच कृष्ण, रामकुमार सागवान, सरपंच बलजीत, ओमप्रकाश कांदल, पूर्व सरपंच राजपाल, पूर्व पार्षद मुकेश, मनोहर दूहन, कृष्ण रावत, महेंद्र रावत अनेक प्रबुद्धजन, समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

तोशाम। पर्वतारोही का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

भाजपा की बैठक में पीएम की रैली में जुटने के निर्देश

जीएसटी कटौती आर्थिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण

भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने कहा कि बूथ स्तर तक संपर्क साधा जाए ताकि मोदी को सुनने का अवसर हर नागरिक को मिल सके।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। एकत्रित पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी की बैठक रविवार को कस्बा तोशाम में आयोजित हुई। इस बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक शामिल हुए और कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों और केंद्र सरकार की नीतियों के बारे में मार्गदर्शन दिया। बैठक का मुख्य केंद्र 17 अक्तूबर को सोनीपत में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली रही।

जिला अध्यक्ष कौशिक ने कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक रैली के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जो हरियाणा में भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है और जिसमें पीएम मोदी करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। कौशिक ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे तोशाम विधानसभा क्षेत्र से अधिक से अधिक लोगों को रैली में लेकर आएं।

उन्होंने निर्देश दिए कि बूथ स्तर तक संपर्क साधा जाए ताकि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और विजन को सुनने का अवसर हर नागरिक को मिल सके। उन्होंने कहा कि यह रैली न केवल पार्टी की शक्ति का प्रदर्शन करेगी, बल्कि हरियाणा के विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाएगी।

जीएसटी सुधारों पर भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया

जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने केंद्र सरकार की दो प्रमुख पहलों आत्मनिर्भर भारत अभियान और जीएसटी सुधारों पर भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान को देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे आमजन को बताएं कि यह अभियान कैसे देश में रोजगार सृजन और स्वदेशी को बढ़ावा दे रहा है। कौशिक ने जीएसटी के कारण आमजन और छोटे व्यापारियों को मिली राहतों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बताया कि जीएसटी से कर प्रणाली सरल हुई है और कई आवश्यक वस्तुओं पर करों में कटौती करके सरकार ने आम आदमी को सीधे लाभ पहुंचाया है।

आमजन तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाए

जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे केवल रैली की तैयारी तक सीमित न रहें, बल्कि सरकार की इन जनकल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों की जानकारी को डोर-टू-डोर अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ वोट प्राप्त करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की हर अच्छी पहल का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उसे इसकी जानकारी हो। इस अवसर पर तोशाम विधानसभा के चारों मंडल अध्यक्ष भारत भूषण महता, कुलदीप मेहला, सतीश वर्मा, जगत कौशिक, रविंद्र बापोड़ा, एमीनेंट पर्सन रमेश लालावास, जिला महामंत्री रमेश पचेरवाल, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप प्रजापति, हरि सिंह, प्रदीप गोलागढ़, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

स्कूल में स्कोर एग्ज़ाम का आयोजन

भिवानी। श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल, तोशाम बायपास, डाबूस कॉलोनी, भिवानी में कक्षा 3 से 11 तक के छात्रों के लिए स्कोर एग्ज़ाम का सफल आयोजन किया गया। इस परीक्षा में अन्य स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। एग्ज़ाम का समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रहा। परीक्षा के दौरान बच्चों में उत्साह और जोश देखने को मिला।

सभी छात्र-छात्राएँ पूरे आत्मविश्वास के साथ पेपर देते हुए दिखाई दिए। परीक्षा के बाद बच्चों को प्रशंसा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर खुशी झलक उठी। अभिभावक भी अपने बच्चों के प्रदर्शन से अत्यंत प्रसन्न नजर आए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना और आत्मविश्वास दोनों का विकास होता है